JET16-1-HI

जब दर्द हो तब परमेश्वर कहाँ होता है? प्रोग्राम 1

अनाऊंसर: आज द जॉन एन्करबर्ग शो में, जीवन सरप्राइज से भरा होता है, एक दिन शायद अद्भुत हो और दुसरे दिन डॉक्टर आपको जिन्दगी खत्म करनेवाली बीमारी की खबर दे, एक्सीडेंट, प्राकृतिक विपदाए, अपराध, अपाहिज होना, जो पल भर में हमारे जीवन को बदल देगा, जब ऐसा होता है तो लोग पूछते हैं जब जीवन में इतना दर्द है तो परमेश्वर कहाँ है? ऐसे लोग सच्चे लोगों से जवाब पाना चाहते हैं, जिन्होंने उनके जितना या उनसे भी ज्यादा दू:ख सहा है, और आज आप ऐसे दो लोगों से सुनेंगे/

जॉनी इरिक्सन टाडा का 17 साल की उम्र डायविंग एक्सीडेंट में स्पाय्नल कार्ड टूट गई, जिससे ये क्वाटरप्लिजिक हुई, ये पिछले 50 साल से विहिल चेअर पर बैठी हैं, और उससे भी बढकर इन्हें ब्रेस्ट कैंसर हुआ, हरदिन बहुत दर्द सहती जाती हैं, डॉ. माइकल इसली मुड़ी बाइबल इंस्टीट्यूट के प्रेसिडेंट थे, इन्होने भयानक पीठ का दर्द महसूस करने पर रिजाईन किया, इनकी परेशनी से पीड़ादायक ऑपरेशन हुए, डॉक्टर ने इनकी सारी डिस्क निकाल दी और इनकी जान बचाने के लिए सारी हड्डियाँ इनकी स्पयनल कॉलम से जोड़ दी, अब ये लीड पास्टर हैं, फेलोशीप बाइबल चर्च, ब्रेंटवुड टेनसी में/ लेकिन हर दिन बहुत दर्द के साथ जी रहे हैं, ये दोनों जवाब देंगे आज के विषय पर कि जब जीवन में दर्द होता है तो परमेश्वर कहाँ हैं? हमारे साथ द जॉन एन्करबर्ग शो के इस विशेष प्रोग्राम में जुड़ जाए/

****

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: प्रोग्राम में स्वागत है, मैं हूं जॉन एन्करबर्ग, मेरे साथ जुड़ने के लिए धन्यवाद, आज दो महान मेहमान हैं जॉनी इरिक्सन टाडा, डॉ. माइकल इसली, हम इस सच्चाई के साथ शुरू करेंगे कि जीवन सरप्राइज से भरा है, हमारे एक अच्छे मित्र थे, पास्टर थे, जो कोव कोन्फेरेंस में गए, आप ने संदेश दिया, महान सन्देश था, रात को सोने गए, पत्नी को चूमकर गुड नाईट कहा, तुम से प्यार हैं, सुबह जब पत्नी जागी तो पति मर चुके थे/ सरप्राइज/

मेरी माँ ने दो साल तक अपनी अच्छी सहेली की देखभाल की, उन्हें ए एल एस था, उन्हें दफनाने के बाद, दो साल तक उन्हें उस दर्द और पीड़ा से जाते देखा, मेरी माँ खुद का चेकअप करने गई, और डॉक्टर ने कहा कि आप में ए एल एस की शुरुवात हो चुकी है, मेरी माँ ने स्पष्ट रूप में ये जान लिया कि अगले दो साल उनके किस तरह के होंगे, सरप्राइज/

आप में से बहुत से लोगों को डॉक्टर ने कहा होगा, उन्होंने आपको बताया होगा कि आप को क्या हो गया है, आप सरप्राइज के साथ जी रहे हैं, आप नही जानते कि क्या करें, शायद आपका बच्चा नही रहा, या आपके पति आपको छोडकर चले गए/ भवनात्मक दर्द और पीड़ा है/

मेरे दो मेहमान अभी भी दर्द में पड़े हैं जैसे हम उन्हें यहाँ सेट पर ला रहे थे, जॉनी इरिक्सन टाडा, क्वाटरप्लीजा से, ये तब हुआ जब ये 17 साल की थी, और ये तब से इस विहिल चेअर पर हैं, और हर दिन दर्द बढ़ता जा रहा है, फिर भी इनके चेहरे पर मुस्कान रहती है जो इसे दूर कर देता है, माइकल इसली मुड़ी बाइबल इंस्टीट्यूट के प्रेसिडेंट थे, हमारे देश के सबसे अच्छे कॉन्फरन्स स्पीकर थे, अचानक इन्हें पीठ में दर्द होने लगा और इसके बारे में हमें बताएगे, और इसके कारण इस संस्था से इनकी प्रेसिडेंटशिप चली गई/

माइकल मैं आप से शुरू करना चाहता हूं क्योंकि आपके पास महान कोट है/ जो कुछ इस तरह से है, जब सारी संभावनाए खत्म हो जाती है लोग क्या करते हैं? आपके पति मदत नही कर सकते, पत्नी मदत नही कर सकती, अच्छे दोस्त मदत नही कर सकते, डॉक्टर मदत नही कर सकते, अटर्नी मदत नही कर सकते और चर्च मदत नही करता, तो संसार में आप कहाँ जाएगे?

डॉक्टर माईकल ईसली: जी, जॉन मेरा दर्द सन 2000 में थोड़े दर्द से शुरू हुआ, जिसे डीजनरेटिव डिस्क डिसीज कहते हैं, और कैच -22 मेरी स्पाइन म इ डायग्नोस हुआ, और आप उस समय के बारे में बता रहे हैं, जहाँ सारी दवाइयां सामने पड़ी होती हैं, सारी दवाईयां लेते हैं, बेहोशी में होते, धुन्दला दीखता फिर भी भयानक दर्द होता है, मैं नही भूलूंगा कि उत्तरी वेरजिन्या में अपने घर में बैठा था, मेरे आंसू मेरे गाल से टपक रहे थे, इतना दर्द था, भयानक था, और मैंने सिंडी की ओर देखकर कहा, अब मैं जान गया कि लोग आत्महत्या क्यों कर देते हैं, मैं ब्रिज से कूदना चाहता था, लेकिन नही कर पाता, लेकिन ये मेरे मन में आया, मै समझ गया जब हम सबसे अँधेरे की जगह पर जाते हैं, जैसे जॉन, मेरे एक दोस्त कहते हैं, उस अँधेरे में केवल तीन चीज़े हैं, मैं, परमेश्वर और दर्द, और जब संभावनाए खत्म होती है तो पता नही आपका विश्वास सच्चा होता है या कहाँ जाए पता नही होता/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: जी, और आपने कहा कि आपने कभी परमेश्वर से नही कहा कि आपको विवरण दे, आपने बस कहा कि मैं हमेशा के इस दर्द के साथ कैसे जीऊंगा? आपको क्या जवाब मिला?

डॉक्टर माईकल ईसली: जानते हैं, मैंने कभी नही पूछा, कि क्यों, इतने साल में भी नही पूछा, मैं नरक के लायक था, मैं दण्ड के लायक था, मैं इसे जानता हूं, वचन से जितना भी जानता हूं/ मेरे लिए ये ठीक है प्रभू यदि जीवन में ये मेरे लिए नया लॉट है, मैं इस तरह कैसे जीऊंगा? मैं अपने आस पास के लोगों के लिए कडवा क्यों नही हो जाऊँगा? दूसरों पर दोष नही लगाऊंगा और सही तरह से रह पाऊंगा, और कैसे मैं वो बन सकता हूं जो तू चाहता हैं मैं बनु, इब्रानियों अध्याय 4, ये ऐसा अध्याय है जो मेरे लिए खुल गया/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: जी, चलिए इसे पढ़ता हूं, फिर आप इसे समझाईए ठीक है? आपने कहा ये आपका पसंदीदा वचन है जो परमेश्वर ने आपको दिया है, इब्रानियों 4:14-16, इसलिए जब हमारा ऐसा महायाजक है जो स्वर्गो से होकर गया है, अर्थात परमेश्वर का पुत्र यीशु, तो आओ, हम अपने अंगीकार को दृढ़ता से थामे रहे, क्योंकि हमारा ऐसा महायाजक नही जो हमारी निर्बलताओं में हमे साथ दू:खी न हो सके/ वरन वह सब बातों में हमारे समान परखा तो गया तौभी निष्पाप निकला/ इसलिए आओ, हम अनुग्रह के सिंहासन के निकट हियाव बांधकर चलें कि हम पर दया हो, और वह अनुग्रह पाएं जो आवश्यकता के समय हमारी सहायता करें/ इसे समझाइए/

डॉक्टर माईकल ईसली: सबसे पहले, महायाजक हमारा मध्यस्थ है, चाहे हमारी धार्मिक पृष्टभूमि जो भी रही, चाहे हम ऐसी परंपरा में रहे जो परमेश्वर के बारे में सिखाया गया या नही/ हमारे दिल में ऐसी बात है कि हम सबसे बड़े व्यक्ति से बातें करना चाहते हैं, कि उसके पास जाए और इब्रानियों का ये वचन बताता है कि हमें कोई मध्यस्थ नही चाहिए, हमारा महायाजक है, हम जानते हैं वो परमेश्वर मनुष्य है, पूरा परमेश्वर पूरा मनुष्य है, ये बड़ा विचार है, लेकिन विचार ये है कि समझता है कि मैं कहाँ से आया हूं, और कौन हूं, क्योंकि उसने भी इन्हीं बातों का अनुभव किया है, तो ये वो है जो हमारी ही बातों से होकर गया जिसे हम गिन भी नही सकते हैं/

तो पहला है महान महायाजक, दूसरा है अंगीकार को थामे रहे, याने जब मैं मसीह केवल मसीह पर भरोसा किया तो क्या विश्वास किया? कि वो जीवित था, मरा और गाढ़ा गया, और मुर्दों में से जी उठा और जो भी मसीह और केवल मसीह पर विश्वास करता है, उसे अनंतजीवन की प्रतिज्ञा दी गई है, ये मुख्य है, ये ही लक्ष्य है, इसलिए चाहे मेरे अनुभव मुझ से कुछ भी कहे, मैं वापस जाता हूं कि मैं क्या विश्वास करता हूं, ये वचन मुझे

यीशु के बारे में क्या बताते हैं, वो परमेश्वर के सामने मेरा मध्यस्थ है, वो मुझ पर पूरी दया करता है, मन उसकी ओर मुड सकता हूं/

दो गुण हैं, अनुग्रह और दया, दिलचस्प बात है, अनुग्रह तो योग्य क्रोध के सामने अयोग्य कृपा है/ हम में से कोई भी दूसरों से बेहतर नही, हम सब क्रोध के लायक हैं, हमें लगता है कि हम दूसरों से बेहतर हैं, लेकिन नही हैं, याने अनुग्रह योग्य होने पर भी कृपा है, हम इसके लायक नही थे, हम दूसरों से बेहतर नही हो सकते हैं, और दया तो न्याय को रोका जाना है, न्याय रोका जाना है, याने पुलिस अफसर मुझे ले जाते हैं, शायद मुझे नही, जो भी हो, जॉन, रफ्तार ज्यादा थी, ठीक है, सच कहा, मैं तुम्हें इस बार छोड़ रहा हूं, कानून तो फाइन और दण्ड देगा, याने किसी तरह का दण्ड होगा, लेकिन दया तो न्याय को रोकना है, मैं तुम्हें अब दण्ड नही दूंगा/

इब्रानियों का लेखक कहता है, क्योंकि वो दया करता है वो जानता है, वो हम पर अनुग्रह करता और न्याय को रोकता है, जरूरत के समय में, इसमें बहुत कुछ हैं, इसने मेरी बहुत बद्त की है जॉन, इसे जोड़ने की कोशिश की है, मैं उसके निकट आया, वो सब पूरी तरह समझता है, मैं जिसमे से जा रहा हूं, ऐसा कुछ नही जिससे वो नही गया, वो जानता है और वहां मैं उसके अनुग्रह और दया को मांगता हूं/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: इसके बारे में और भी बताइए, वो हम पर दया करता है, वो हम पर कृपा करता है, इस बात को और समझकर बताइए/

डॉक्टर माईकल ईसली: ग्रीक शब्द, दया और इसे समझने में हमने कुछ गडबडी की है, लेकिन ये सच में उसके साथ महसूस करना है, वो पूरी तरह जानता है, उसने जो दू:ख उठाए हैं, ये आप और मुझ से बहुत ज्यादा थे, याने इस तरह से समझ सकते हैं कि कोई भी दर्द, कोई भी पीड़ा, मनुष्य जिस दिल के दर्द का अनुभव करता है, वो हमें जानता है, ये उसके लिए नया नही, ओ मुझे पता नही था, कि मनुष्य इस तरह से दू:ख उठा रहे हैं/

और ये हम मनुष्य के लिए जानना असंभव है कि मसीह ने कलवरी के क्रूस पर क्या पाया है, जब परमेश्वर का क्रोध स्वर्ग से उसके एकलौते पुत्र पर उंडेला गया, और वो खुद को दूर कर देता है, और यहाँ मसीह पुकारता है, मेरे परमेश्वर, मेरे परमेश्वर तुझे मुझे क्यों छोड़ दिया है? हम समझ नही सकते कि वहां पर मसीह ने कितने भयानक दर्द को सहा होगा, ये इस सच्चाई को दिखाता है कि इस महायाजक ने हर दर्द को सह लिया, हर निराशा को, हर बुरे व्यवहार को, जो भी कल्पना कर सकते हैं, सबकुछ, या उससे बढकर याने ये महायाजक हमें

समझता है, वो परमेश्वर के सामने मध्यस्थ है, वो परमेश्वर – मनुष्य है, वो दया करता है और जरूरत के समय हम उसके पास दया और अनुग्रह के लिए आते हैं, जब मुझे उसकी जरूरत होती है/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: ऐसा समय होता है जब घर आते हैं, तो गिनती के अनुसार 1 से 10 में, आप के लिए कौनसा दिन अच्छा होता है?

डॉक्टर माईकल ईसली: 6 से कम दर्द हो तो ठीक है, सामन्य रूप में, नही तो ज्यादा ही होता है/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: ठीक है, जब आप उठते हैं 8 या 9 में और घर आते हैं, और सिंडी जानती हैं, आप बेसमेन्ट में जाते हैं, अपने प्रायवेट रूम में तो ये वचन आपकी कैसे मदत करता है?

डॉक्टर माईकल ईसली: डॉक्टर माईकल ईसली: मैं जो जानता उसका दावा करता हूं, अपने अनुभव को कुछ कहने नही देता, कि परमेश्वर पर भरोसा न करूं/ जब दर्द बहुत ज्यादा होता है और निराशा बढ़ जाती है, जब डॉक्टर मदत नही कर सकते, चाहे आप जिसका भी नाम ले, कोई मदत नही तो आप, परमेश्वर और दर्द है/ मैं खुद को याद दिलाता हूं कि मेरे अनुभव मुझे नही बताते कि परमेश्वर कौन है/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: ये महत्वपूर्ण है, इसे फिर से कहिए/

डॉक्टर माईकल ईसली: मेरा अनुभव मुझे नही बताते कि परमेश्वर कौन है? उसका वचन बताता है कि वो कौन है/ और पश्चिम में और पुरे संसार में यही समस्या है, हम अपने अनुभव का उपयोग करता हैं कि देखे परमेश्वर कौन है और कैसा है/ ये झूठ है हमें इसे मिटाना होगा, मनुष्य के रूप में, परमेश्वर की परिभाषा नही कर सकते हैं, उसका वचन बताता है कि वो कौन है, क्या करता है और क्या किया है/ तो मेरे लिए ये कुकुन जैसे है, मैं, परमेश्वर और दर्द, जब मेरे पास उसका वचन होता है तो दर्द चला नही जाता, ये कोई दवाइयों जैसे नही कि इसे लेकर बेहतर लगे, मेरे दिल में आनंद होता है, मैं अपने दिमाग में जानता हूं और इस पर विश्वास करता हूं, कि उसने अपने वचन में जो कहा है वो सच है, यदि अपने प्राण को उस पर लगा दूँ, क्या प्रतिदिन का जीवन उस पर लगा दूँ?

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: ठीक है, जॉनी से पूछता हूं, ठीक है, मैं चाहता हूं कि आप पृष्टभूमि बताइए कि आपको क्या हुआ, क्योंकि 17 साल की उम्र में आप सुंदर और बहुत चुलबुली लडकी थी, ठीक है, क्या हुआ? और फिर

मैं चाहता हूं कि आप खासकर बताइए, दर्द में पड़े हुए लोगों को, मैंने अपने स्टाफ मेम्बेर्स से पूछा, कि अपने जीवन साथ से पूछे, जो बहुत दर्द में हैं, चलिए चार सवाल बताऊं, मेरे मेहमानों जो उन दर्शकों से लिए जो दर्द में पड़े हैं, कि प्रभू आपके लिए क्या करेगा? चार सवाल ये हैं, दर्द कब रुकेगा? दर्द कब रुकेगा? दर्द कब रुकेगा? दर्द कब रुकेगा? वो केवल इतना ही जानना चाहते हैं/

कुछ लोग परमेश्वर से कुछ नही सुनना चाहते हैं, जो उसके दर्द से प्रे हो, ठीक है? आप वहां दो साल रही, आप नही चाहती थी कि कोई बाइबल के वचनों से बताए, ठीक है, मुझे पृष्टभूमि दिजिए, बताइए कि क्या हुआ, मुझे कहानी बताइए, और फिर वो वचन और लोग कहते हाँ कि आप की बात कि मुझे परवाह नही है/

जॉनी इरिकसन टाडा: खैर, मैं एक एथलीटिक सक्रिय नौजवान थी, जब एथलेटिक्स में जाती तो बड़ी शरारत करती, और मुर्खता में मैंने बहुत उथले पानी में डाईव लगाई/ सोचा कि उस पार से बाहर आउंगी, लेकिन नही आई/ मेरा सिर नीचे की चट्टान से टकराया, इसने मेरी पीठ को तोड़ दिया और रीढ़ की हड्डी टूट गई, रीढ़ की हड्डी पूरी तरह टूट गई, मैं अपाहिज होकर पानी में ही डूबी रही, और धन्यवाद हो कि मेरी बहन जो पानी में मेरे साथ थी उसने देखा कि मेरा सिर पानी में हैं, मैंने पिछली रात कोई ही अपने बालों को पेरोक्साइड से कलर किया था, उसने मेरे इन बालों को पानी पर तैरते देखा, जिससे उसका ध्यान गया और तुरन्त वो मुझे बचाने आई, पानी से बाहर निकाला, मैं खांस रही थी, उलटी कर रही थी, श्वास लेना चाहती थी/

मुझे हॉस्पिटल ले गए और मेरा स्विम सूट निकाला, मेरे सकल में बोल्ट लगाए, मुझे ट्रेक्शन में लगाया, और लंबे कैनवस में, स्ट्रायकर फ्रेम में, और ये सब बहुत रफ्तार से हुआ, और अचानक डॉक्टर ने मुझ से कहा, जॉनी , आपकी स्पाईनल कॉर्ड टूट गई हैं, और आप अपने हाथों का उपयोग नही कर पाएगे, और चल भी नही पाएगे, मैं पूरी निराशा में चली गई, मैं समझ नही पाई कि फिर कभी न चलने का अर्थ क्या है, कि किसी कोल्ड ड्रिंक नही थाम पाउंगी, या ब्रश नही पाउगी, मैं बहुत डर गई, और आत्महत्या करने का विचार मेरे मन में आने लगा, मैं रात को बेड पर पड़ी रहती, तकिया पर सिर मोडती रहती कि मेरा सिर और भी मुडकर टूट जाए, और मैं मर जाऊं, मैं ऐसा करने भी डरती थी कि परिस्थिति और बुरी न हो, और मुझे अकेलापन महसूस हुआ/

और मैं माइकल रीड को सुन रही थी, इब्रानियों के अंतिम वचनों से, मैं परमेश्वर पर विश्वास करना चाहती थी, लेकिन यदि वो परमेश्वर है जो बाइबल का परमेश्वर है, तो किसी तरह से किसी रूप में इस में उसका हाथ है, यदि इसमें उसका हाथ है तो उस पर कैसे भरोसा करें?

लेकिन एक रात, जॉन, जब मैं बहुत परेशान और अकेला महसूस कर रही थी, मैं अपने दर्द में और पीड़ा में पूरी तरह से अकेली थी, मैं किसी तरह से इस यीशु के बारे में कल्पना करने लगी जिसके बारे में माइकल कह रहे थे, मैंने सोचा कि वो मेरे हॉस्पिटल के द्वार से आ रहा, मेरे रूममेट को पार कर आया वो सो रहे थे, मैंने कल्पना की कि वो मेरे हॉस्पिटल बेड के पास आया, और कल्पना की, उसे देखा नही, लेकिन कल्पना की कि मेरे बेड की रेलिंग नीचे की और हॉस्पिटल की मेरी गद्दी के कोने पर बैठ गया, और मेरे सिर और मेरे आँखों पर से हाथ फिराया, और मुझे अपने हाथ का निशान दिखाया, अपनी हथेली और मुझ से धीरे से कहा, जॉनी मैंने तुम से इतना प्यार किया कि तुम्हारे लिए मर जाऊं, क्या तुम्हें नही लगता कि तुम इस में मुझ पर भरोसा रख सकती हो?

और ये मेरे लिए जैसे कि आप दोनों कुछ समय पहले इब्रानियों अध्याय 4 से बातें कर रहे थे, मेरा महायाजक है, मेरा परमेश्वर है, बाइबल का परमेश्वर किसी की कोई मनघडत कल्पना या संत का विचार नही है, जो कही पहाड़ पर है, और पेट पर खारिश करते हुए अंगूठे को दबा रहा है, और मुझ से और मेरे दर्द से कही बहुत दूर है, नही, वो मेरे दर्द के बीच आ गया है, और मैंने उस रात देखा कि यीशु वहां जाता है जहाँ कोई नही जाता है, जहाँ डॉक्टर नही जाते वहां जाता है, जहाँ सलाहकार नही जाते वहां जाता है, जहाँ दवाइयां नही जाती वहां जाता है, और यदि आप और मैं अपना दिल उसके लिए खोल देते हैं, और उसे आने दे, तो मैं अपने जीवन के लिए उसके उद्देश्य और योजना को देख पाउंगी, ये रातों रात या चुटकी बजाते ही नही हुआ, लेकिन उस रात मैंने कल्पना की कि वो मुझ से मिलता है, और कहता है जॉनी मुझ पर भरोसा रख सकती हो/ ये सही दिशा में कदम था/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: आपने हमें दो चित्र दिए हैं, तो पहला समझाइए/

जॉनी इरिकसन टाडा: जी, ये एक कॉपी है एक चारकोल स्केच की जो मैंने हॉस्पिटल में बनाई थी, जब मैं हॉस्पिटल में थी, और मैंने अपने दांतों में चारकोल पेन्सिल पकड़ना सिखा, और लिखने लगी और ड्रा करने लगी, एक्सीडेंट के पहले से मैं एक कलाकार थी, और जब मैंने ये अद्भुत चित्र बनाया, गहरी चिंता का ये चित्र, मैं यही बताना चाहती थी, ओ, परमेश्वर अब मेरा जीवन यही है, अब मुझे इसी के साथ जीना होगा, मेरे पुरे जीवन भर, मैं ये नही कर सकती, नही कर सकती ये असंभव है, मैं जानती हूं कि हमारे कुछ दर्शक भी इसी तरह की परेशानी में होंगे, ओ, परमेश्वर क्या अब ये मेरा जीवन है, ब्रेन में चोट लगी, शायद गहरा अकेलापन, या दिमागी बीमारी, या बच्चा अपाहिज पैदा हुआ है, पति छोडकर चला गया, या मेडिकल रिपोर्ट बुरी है, जिसने

सबकुछ बदल दिया, और आप सोच रहे हैं कि अब मेरा जीवन यही है/ मैं ये नही कर सकता, मैं चाहती हूं कि हमारे दर्शक जान जाए, माइकल और मैंने यही बात कही है, मैं आज जब उठी तो यही कहा, ओ यीशु मैं ये नही कर सकती, लेकिन, और बाइबल के बारे में मुझे यही पसंद है, ये हमेशा आशा से भरी होती है, और हर तरह के आशा के लंगर हैं जिसे थामे रहे, आज जिसे मैंने थामा था, मसीह जो मुझे बल देता है उसमे मैं सबकुछ कर सकती हूं, फिलिप्पियों 4:13 मैं ये नही कर सकती, लेकिन मसीह के द्वारा सबकुछ कर सकती हूं/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: ये चित्र मुझे हमेशा याद रहेगा, ठीक है, दूसरा चित्र कौनसा था?

जॉनी इरिकसन टाडा: खैर, ये दूसरा चित्र, मैंने इसे नही बनाया, लेकिन मेरी एक दोस्त ने बनाया, जब मैं हॉस्पिटल से बाहर आई, और जब उन्होंने मुझे देखा, मेरे जीवन की पहली के हिस्सों में बटी हुई देखा, वो बताना चाहते थे, जॉनी, मैं जानता हूं कि तुम चाहती हो कि तुम्हारा जीवन फिट हो, अच्छा हो, साफ और क्रम में हो, मैं जानता हूं तुम व्यवहारिक जीवन चाहती हो, उद्देश्यपूर्ण जीवन चाहती हो, लेकिन जानती हो, पहली के बहुत से हिस्से गुम होनेवाले हैं, और तुम अनंतकाल के उस पार तक उसे नही पाओगी, और जब मैंने मेरे उस स्केच को देखा जो मेरे दोस्त ने बनाया था, तो मेरा पहला विचार यही था कि बुद्धिमत्ता इसमें नही की पहेली के सारे हिस्से एक साथ जोड़े, क्योंकि परमेश्वर इसे कैसे होने देगा, बुद्धि तो पहली के बहुत से हिस्से गुम होने पर भी परमेश्वर पर भरोसा करना है/ चाहे आप जानते हैं कि अनंतकाल के इस पार आपका जीवन कोई अर्थ नही रखता है, लेकिन उस पार रखेगा और वही आशा मुझे आगे बढाती है, जानते हैं एक दिन परमेश्वर मुझे वो चाबी देगा, कि महसूस करने लगूं, मैं महसूस नही करती, क्वाटरप्लीजा के कारण, मैं उस दिन की राह नही देख सकती, उसका इन्तजार कर रही हूं/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: माइकल हम चर्चा कर रहे हैं, कि जब लोग बुरी खबर सुनते हैं तो वो निराशा से बाहर कैसे आ सकते हैं? ऐसा समय था जब आप अपनी पत्नी के साथ कुर्सी पर बैठे थे, और आपके आँखों से आंसू बह रहे थे, तब उन्होंने आप से कुछ कहा और इस तरह इससे बाहर आने की क्रिया शुरू हुई, उन्होंने क्या कहा था?

डॉक्टर माईकल ईसली: जब मैंने बताया कि मैं जान गया कि लोग क्यों आत्महत्या करते हैं, मैं उनसे पूछा कि तुम क्या करोगी, वो अपने पति को देख रही थी, वो मेरे लिए कुछ नही कर पा रही थी, वो रुक गई, लगता है शायद 3 या 4 मिनट लेकिन कुछ पल के लिए, फिर अपनी आँखें बंद की और मेरी ओर देखकर कहा, मैं इतना ही जानती हूं, परमेश्वर इस दिन तक विश्वासयोग्य रहा है, तो वो कल क्यों विश्वासयोग्य नही रहेगा, और बस

मुझे यही कहने की जरूरत थी, ठीक है, इसली अगला काम करो, बस अगला काम करो, इस गड्ढे में न जाओ, क्योंकि उससे कोई लाभ नही होगा, और वो मेरे लिए बहुत से अद्भुत बदलाव लानेवाली बात थी, जॉन, और मैं निराशा से बाहर आने लगा/

जॉनी इरिकसन टाडा: जानते हो, माइकल मेरे साथ भी यही हुआ, मतलब आपके जीवन में सच्चाई बताने के लिए सिन्डी थी, मैं सोचती हूं जब लोग दू:ख उठाते, अकेले और परेशान रहते हैं, ये कितना अद्भुत है कि कोई आपके जीवन में सच्चाई कहता है, और कुछ मसीही मित्र थे जो मेरे बिस्तर के पास आए, वो पिज़्ज़ा लाए, और डोनट लाए, और मेरे अपाहिज हाथ के लिए नेल- पॉलिश लाए, और मेरे गंदे बाल सवारे, और वो हाथ तो यीशु के थे/

जब लोग दू:ख उठाते हैं, तो उन्हें अकेले दू:ख उठाना नही होता है, परमेश्वर की इच्छा कभी ये नही कि दू:ख उठानेवाले हमेशा अकेले ही दू:ख उठाए, इसलिए उसने आत्मिक समाज बनाया है, इसलिए उसने चर्च बनाया है, और ऐसे मसीही लोग हैं जिनके पास कोई भी आ सकता है, जो आज दर्द में हैं, और इसके लिए मनुष्य के सारे परिश्रम लगेगे कि उन तक पहुंचकर ये कहे, मुझे मदत चाहिए, लेकिन ये अच्छी बात है, याने ये कहना अद्भुत है कि मुझे मदत चाहिए, परमेश्वर से, और उसके लोगों से मदत चाहिए, और वो आपके जीवन में सच्चाई कहते जाए, कि सच में परमेश्वर होगा, उस दर्द में आपके साथ होगा, वो जख्मी हुआ, हमारी सारी पीड़ा उस पर पड़ी, कि वो आपका दयालु महायाजक हो जाए, और पिता के सामने वकील हो जाए, हर बात में चैंपियन हो और अपने अनुग्रह को उन्डेले और अपनी सामर्थ और शान्ति और उद्देशों को देते जाए, इसके लिए विश्वास का कदम लगता है, चाहे वो राई के दाने के बराबर क्यों न हो, शायद आपकी कल्पना से बहुत ही छोटा हो, और परमेश्वर को याने आप केवल एक इंच दे और वो आपको एक मील ले जाए, आपके विश्वास का उपयोग करें, कि अपनी आशा और प्रोत्साहन देते जाए, इसके लिए समय लगता है, लेकिन ये जरुर होगा/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: माइकल, इसके बारे में अंत में बताइए कि आप उनसे क्या कहेगे जिन्होंने बड़ा सरप्राइज पाया है, और हमारी बातों को सुना है, तो वो कैसे शुरू करें?

डॉक्टर माईकल ईसली: आपको स्वार्थ के अंत में आना हैं, और आपको जानना है कि आपको मदत चाहिए, किसी की मदत की जरूरत है, जैसे जॉनी ने कहा, लोग इस तरह से देह में जुड़े होते हैं कि सहायक हो जाए, खुद में पर्याप्त लोगों को ये स्वीकार करना मुश्किल होता है, हम में से कुछ लोगों के लिए ये चुनौती से भरा है, कि

वो मदत मांगे, लेकिन मसीह के पास आए, वो महायाजक है, मानवता केवल कुछ कर सकती है, और बहुत कुछ करती है, लेकिन गहराई में जहाँ दर्द होता है और कोई हल नही होता है, हमारे दिल की गहराई में, हमारे मन में, जहाँ कोई भी सही दवाइयों के साथ नही जा सकता, मसीह आप से प्यार करता है, और वो महायाजक है, वो सिद्ध मध्यस्थ है, यदि उस पर भरोसा रखे और उसकी ओर मुड जाए, तो वो असफल नही करेगा/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: दोस्तों, हमने बस इसे शुरू किया है और अगले हफ्ते, अगले हफ्ते हम चर्चा करेंगे कि जॉनी और माइकल की परमेश्वर ने कैसे मदत की कि निराशा और हताश होने से कैसे बचे/ क्योंकि आज आपने जो भी कहा उसके बावजूद ऐसा समय रहा जहाँ आप दोनों किनारे पर पहुंच गए और निराश हो गए, तब प्रभू ने आपकी मदत की, मैं जानना चाहता क्यों, कैसे, ये कैसे हुआ, ठीक है, और ये कैसे हुआ, और मैं चाहता हूं आप दर्शक जो घर से देख रहे हैं, हम सब इसका अनुभव करते हैं, आशा है की आप जुड़ जाएगे/

****

हमारे टीवी प्रोग्राम देखने के लिए मुफ्त में डाऊनलोड कीजिए जॉन एन्करबर्ग ािो एप

"घ्द्धठ्ठन्र् द्यदृ ठ्ठड़ड़ड्डद्रद्य ख्ड्डद्मद्वद्म क्ष्द्धत्द्मद्य" ऋ ख्ऋह्मण्दृध्र्.दृद्धढ़

@JAshow.org

क्दृद्रन्र्द्धत्ढ़ण्द्य 2012 ऋह्रङक्ष्